

संक्षिप्त खबरें

बाईंक सवार अज्ञात दो अपराधी ने दिया घटना का अंजाम

प्रातः किरण संवाददाता



संसेक्स
66160.20 पर बंद
निपटी
19646.00 पर बंद

ब्यापार

यूपीआई के बाद अब दुनिया में जमेगी रुपये की धाक, खत्म होगी अमेरिका की बादशाहत!

■ अमेरिका के स्विप्ट की तरह सिस्टम बनाएगा भारत ■ दिप्थीय व्यापार रुपये में सेटल करने में मदद मिलेगी



नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीआई का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। फ्रांस समेत दुनिया के कई देश इसे अनन्त चुके हैं और कई लाइन में खड़े हैं। अमेरिका में भी इसे अपनाने की मांग जोर पड़ रही है। इस वीच भारत ने अमेरिका के स्विप्ट की तर्ज पर अपने इंटरनेशनल फाइरेंसिंग मेसेजिंग सिस्टम पर काम करना शुरू कर दिया है। दुनिया भर में एक देश से दूसरे देश में फ़स्तू और सिक्योरिटी को ट्रासफर करने के लिए इस्का इस्तेमाल किया जाता

है। अपने इस सिस्टम के दम पर अमेरिका दुनिया में फाइनेंस की दुनिया पर राज करता है लेकिन जल्दी ही उसकी यह बादशाही खत्म हो सकती है। भारत सरकार ने रुपये को अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन में बदला देने के लिए यह स्विप्ट का व्यापक लान बानाया है। स्विप्ट जैसा सिस्टम भी उसकी योजना का हिस्सा है। इस सिस्टम से दिप्थीय व्यापार को रुपये में सेटल करने में मदद मिलेगी।

सूत्रों के मुताबिक बैंकों की एक

रुपये के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकाने का हैप्लान

बढ़ रहा है डिजिटल पेमेंट का क्रेज, यूपीआई अपनाने वाले लोगों की संख्या में

लगातार बढ़ती ही हो रही है। डिजिटल भारत का सपना लगातार साकार हो रहा है। दिप्थीय व्यापार की संख्या में काफ़ी बढ़ाती ही हुई है।

आरवीआई के ताजा आकड़े इसी ओर झाराग कर रहे हैं। आरवीआई ने ताजा आकड़े पेस किए हैं, जिसके मुताबिक देश भर में यूपीआई अपनाने वाले लोगों की संख्या में काफ़ी बढ़ाती ही हुई है।

आरवीआई के डेवेलपर के मुताबिक डिजिटल पेमेंट

में 13.24 प्रतिशत की बढ़ाती ही हुई है। देश भर में

डिजिटल भुगतान में मार्च 2023 तक सालाना

आधार पर 13.24 प्रतिशत की बढ़ाती ही हुई है। अनलाइन लेनदेन को मापने वाला आरवीआई का डिजिटल

भुगतान सूचकांक (आरवीआई-डीपीआई) मार्च 2023 अंत में 395.57 रुपये।

यह सितंबर 2022 में 377.46 और मार्च 2022 में 349.30 था। भारतीय रिजर्व बैंक के बृहप्यतिवार को जारी एक व्यापार के अनुसार, इस अवधि के दौरान देश में भूगतान अवसंरचना और प्रदर्शन में महत्वपूर्ण बढ़िके के कारण आरवीआई-डीपीआई सूचकांक सभी मापदंडों में बढ़ा है। केंद्रीय बैंक ने मार्च 2018 में डिजिटल/प्रॉब्रॉड रहित भूगतान की स्थिति के अध्ययन के लिए एक सम्प्रभु डिजिटल भुगतान सूचकांक (आरवीआई-डीपीआई) बनाने की घोषणा की थी।



मेडिकल बिजनेस में सरकार करती है 2 लाख रुपये तक की मदद, मुनाफा भी है जबरदस्त



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में बिजनेस करने के सुनहरे अवसर के बीच आर आप भी अपना खुद का बिजनेस करना चाहते हैं तो आपके लिए आज एक बार फिर से हम एक शानदार बिजनेस आइडिया लेकर आए हैं। इस बिजनेस आइडिया से आप लोगों की कमाई कर सकते हैं। यह बिजनेस मेडिकल फोल्स के सुनहरे जुड़ा है जहाँ केंद्र सरकार जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति के लिए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोलने का मौका दे रही है। जिसमें सरकार भी मदद कर रही है।

कितनी होगी कमाई? बिजनेस में सबसे महत्वपूर्ण यही होता है कि आखिरकार कमाई कितनी होगी। आपको बता दें कि जन औषधि केंद्र पर दबाव बढ़े तो आपको 20 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है। इसके अलावा, मासिक बित्री पर 15 प्रतिशत तक का अलग से सरकार द्वारा इन्वेंटरी भी मिलता है।

क्या है सरकार का लक्ष्य? आपको बता दें कि केंद्र सरकार देश भर में जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाने में लगी है और सरकार का लक्ष्य मार्च 2024 तक देश में तकरीबन 10,000 आपूर्ति जन औषधि केंद्रों को खोलने हैं ताकि आम लोगों को सस्ती कीमतों पर दवाईं का मिल सकता।

कौन खोल सकता है जन औषधि केंद्रों के साथ? आपको बता दें कि एक बैंक औषधियों के दारों को बाटू नहीं है। सरकार की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रुपये को बढ़ावा देने के लिए बैंकों से दूर रहें तो कांकड़े देश का अवृत्ति अपरिवर्तनीय हो जाएगा। हम यह देखते हैं कि इस कैमे बढ़ावा जाना सकता है। अब तक 22 देशों का 20 बैंक 92 स्पालस रुपये के स्विप्ट की तर्ज पर

बनाया गया है। इसे बैंकों के बीच कम्पनिकेशन सिक्योर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आरवीआई ने 2022 में अपने विजन डॉक्यूमेंट में इस कैमे के दारों को बाटू नहीं है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कमेटी आरवीआई के मौजूदा प्लॉटफॉर्म एसएफएमएस (स्क्रॉल फाइर्सियल मेसेजिंग सिस्टम) पर विचार की गयी। हम यह देखते हैं कि इस कैमे बढ़ावा जाना सकता है। अब तक 22 देशों का 20 बैंक 92 स्पालस रुपये के स्विप्ट की तर्ज पर

बनाया गया है। इसे बैंकों के बीच कम्पनिकेशन सिक्योर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आरवीआई ने 2022 में अपने विजन डॉक्यूमेंट में इस कैमे के दारों को बाटू नहीं है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कमेटी आरवीआई के मौजूदा प्लॉटफॉर्म एसएफएमएस (स्क्रॉल फाइर्सियल मेसेजिंग सिस्टम) पर विचार की गयी। हम यह देखते हैं कि इस कैमे बढ़ावा जाना सकता है। अब तक 22 देशों का 20 बैंक 92 स्पालस रुपये के स्विप्ट की तर्ज पर

बनाया गया है। इसे बैंकों के बीच कम्पनिकेशन सिक्योर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आरवीआई ने 2022 में अपने विजन डॉक्यूमेंट में इस कैमे के दारों को बाटू नहीं है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कमेटी आरवीआई के मौजूदा प्लॉटफॉर्म एसएफएमएस (स्क्रॉल फाइर्सियल मेसेजिंग सिस्टम) पर विचार की गयी। हम यह देखते हैं कि इस कैमे बढ़ावा जाना सकता है। अब तक 22 देशों का 20 बैंक 92 स्पालस रुपये के स्विप्ट की तर्ज पर

बनाया गया है। इसे बैंकों के बीच कम्पनिकेशन सिक्योर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आरवीआई ने 2022 में अपने विजन डॉक्यूमेंट में इस कैमे के दारों को बाटू नहीं है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कमेटी आरवीआई के मौजूदा प्लॉटफॉर्म एसएफएमएस (स्क्रॉल फाइर्सियल मेसेजिंग सिस्टम) पर विचार की गयी। हम यह देखते हैं कि इस कैमे बढ़ावा जाना सकता है। अब तक 22 देशों का 20 बैंक 92 स्पालस रुपये के स्विप्ट की तर्ज पर

बनाया गया है। इसे बैंकों के बीच कम्पनिकेशन सिक्योर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आरवीआई ने 2022 में अपने विजन डॉक्यूमेंट में इस कैमे के दारों को बाटू नहीं है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कमेटी आरवीआई के मौजूदा प्लॉटफॉर्म एसएफएमएस (स्क्रॉल फाइर्सियल मेसेजिंग सिस्टम) पर विचार की गयी। हम यह देखते हैं कि इस कैमे बढ़ावा जाना सकता है। अब तक 22 देशों का 20 बैंक 92 स्पालस रुपये के स्विप्ट की तर्ज पर

बनाया गया है। इसे बैंकों के बीच कम्पनिकेशन सिक्योर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आरवीआई ने 2022 में अपने विजन डॉक्यूमेंट में इस कैमे के दारों को बाटू नहीं है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कमेटी आरवीआई के मौजूदा प्लॉटफॉर्म एसएफएमएस (स्क्रॉल फाइर्सियल मेसेजिंग सिस्टम) पर विचार की गयी। हम यह देखते हैं कि इस कैमे बढ़ावा जाना सकता है। अब तक 22 देशों का 20 बैंक 92 स्पालस रुपये के स्विप्ट की तर्ज पर

बनाया गया है। इसे बैंकों के बीच कम्पनिकेशन सिक्योर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आरवीआई ने 2022 में अपने विजन डॉक्यूमेंट में इस कैमे के दारों को बाटू नहीं है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कमेटी आरवीआई के मौजूदा प्लॉटफॉर्म एसएफएमएस (स्क्रॉल फाइर्सियल मेसेजिंग सिस्टम) पर विचार की गयी। हम यह देखते हैं कि इस कैमे बढ़ावा जाना सकता है। अब तक 22 देशों का 20 बैंक 92 स्पालस रुपये के स्विप्ट की तर्ज पर

बनाया गया है। इसे बैंकों के बीच कम्पनिकेशन सिक्योर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आरवीआई ने 2022 में अपने विजन डॉक्यूमेंट में इस कैमे के दारों को बाटू नहीं है।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कमेटी आरवीआई के मौजूदा प्लॉटफॉर्म एसएफएमएस (स्क्रॉल फाइर्स

